

नॉर्डिक-बाल्टिक सहयोग

स्रोत: द हिंदू

रायसीना डायलॉग- 2024 में, 8 नॉर्डिक-बाल्टिक देशों (NB8) ने नॉर्डिक-बाल्टिक सहयोग के प्रतिनिधियों के रूप में एक साथ भाग लिया।

नॉर्डिक-बाल्टिक सहयोग क्या है?

- **परिचय:** नॉर्डिक-बाल्टिक सहयोग वर्ष 1992 में स्थापित एक अनौपचारिक क्षेत्रीय सहयोग गठन है, जो 5 नॉर्डिक (फिनलैंड, स्वीडन, नॉर्वे, डेनमार्क और आइसलैंड) तथा 3 बाल्टिक देशों (एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया) को एक साथ लाता है।
- टोमस हेंडरिक इल्वेस (पूर्व एस्टोनियाई वदेश मंत्री) की पहल पर वर्ष 2000 में इसे नॉर्डिक-बाल्टिक 8 (NB8) नाम दिया गया था।
- स्वीडन के पास वर्ष 2024 में NB8 की अध्यक्षता है।
- **मुख्य रपॉर्ट:** NB8 सहयोग पर मुख्य दस्तावेजों में से एक NB8 वाइज़ मेन रपॉर्ट है, जिससे बर्काव्स-गेड रपॉर्ट के रूप में भी जाना जाता है, जो आठ देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिये ठोस दिशा-निर्देश प्रदान करता है।
- NB8 एवं भारत: नॉर्डिक-बाल्टिक देशों तथा भारत के बीच सहयोग नवाचार, हरति परिवर्तन, समुद्री मामले, स्वास्थ्य, बौद्धिक संपदा अधिकार, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष एवं पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों तक वसित है।
- नवंबर 2023 में दूसरा CII (भारतीय उद्योग परिसंघ) भारत नॉर्डिक-बाल्टिक बिज़नेस कॉन्क्लेव नई दिल्ली में आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य भारत एवं NB8 के बीच सहयोग को बढ़ावा देना था।
- NB8 का आउटरीच: वर्ष 2003 के बाद से NB8 देशों और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच राजनीतिक निदेशकों के स्तर पर नियमिति बैठकें होती रही हैं, जिन्हें ई-पाइन प्रारूप के रूप में जाना जाता है।
- इसके अतिरिक्त वर्ष 2011 में NB8 देशों और यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्रियों की बैठकें बुलाने के लिये एक समझौता हुआ, जिससे अबॉर्डरन फ्यूचर फोरम के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- NB6: वर्ष 2004 में बाल्टिक देश द्वारा यूरोपीय संघ की सदस्यता ग्रहण करने के उपरांत NB6 प्रारूप बनाया गया।
- आइसलैंड और नॉर्वे यूरोपीय संघ के सदस्य नहीं हैं।
- इसमें NB8 के यूरोपीय संघ के सदस्य देश अर्थात् डेनमार्क, फिनलैंड, स्वीडन, लातविया, लिथुआनिया और एस्टोनिया शामिल हैं तथा यह सामयिक यूरोपीय संघ के मुद्दों पर चर्चा करने के लिये अनौपचारिक बैठकों के लिये एक रूपरेखा प्रदान करता है।

